M.A I Sem's
Krishna Nand

Q– What is Purposive Sampling? Describe its merits and limitation.

प्रश्न – उद्देश्य पूर्ण प्रतिचयन क्या है? इसके मुख्य गुण-दोषों का वर्णन करें।

Ans:– सोद्देश्य या उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन एक सरल तथा सुगम प्रतिचयन तकनीक है। इस प्रतिचयन तकनीक में शोधार्थी द्वारा अपने शोध प्रयोजन के अनुसार जनसंख्या से किसी विशिष्ट वर्ग या स्तर की इकाईयों या स्थितियों का चयन कर लिया जाता है।

उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन (Purposive sampling) असंभावित प्रतिचयन विधि (Nonprobability sampling method) का एक मुख्य प्रकार है। इसमें शोधार्थी उन व्यक्तियों को सम्मिलित करता है जिससे परिकल्पना (Hypothesis) के अनुरूप जीव संख्या (Population) का ठीक-ठीक प्रतिनिधित्व मिलने की पूरी संभावना वर्तमान होती है।

शोधरीति मनोविज्ञानी गिलफोर्ड महोदय (1956) द्वारा इसे परिभाषित करते हुए कहा गया है कि – "उद्देश्य पूर्ण प्रतिदर्श वह है जिसे स्वेच्छानुसार चुना जाता है क्योंकि उसमें जीवसंख्या के प्रतिनिधिक होने का अच्छा सबूत मौजूद होता है।"

A Puposive Sample is one

→ —

Krishna Nand
M.A I Sem

arbitrarily selected because there is a good evidence that he is a very representative of the total population."

माना कि किसी शोधार्थी को ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में अध्ययनरत विद्यार्थियों के समायोजन का अध्ययन करना है तो उसके द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में अवस्थित विद्यालय के किसी वर्ग के छात्रों का एक निश्चित समूह तथा शहरी क्षेत्र में अवस्थित किसी विद्यालय के छात्रों का उसी वर्ग एवं संख्या का समूह प्राप्त किया जाता है जिस वर्ग और संख्या में ग्रामीण स्कूली छात्रों का समूह प्राप्त किया गया है। इस प्रकार का प्रतिचयन सोद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन का उत्तम उदाहरण माना गया है।

उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन तकनीक केवल मनोवैज्ञानिक क्षेत्र के लिए ही उपयोगी नहीं है। बल्कि इसका उपयोग समाज विज्ञान के अन्य क्षेत्रों में भी सफलता पूर्वक किया जाता है।

उद्देश्यपूर्ण प्रतिचयन के गुण:

Advantages of Purposive Sampling-

(1) सुगमता एवं सरलता:

उद्देश्य पूर्ण प्रतिचयन तकनीक का